डाक पंजीयन क्रमांक-म.प्र./भोपाल/357/2021-23

मुद्रित पत्र रजि. नं./आर.एन./13063/1967

मध्यप्रदेश सहकारी समाचार

मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ भोपाल का प्रकाशन

Website : www.mpscu.in
E-mail : rajyasanghbpl@yahoo.co.in

हिन्दी/पाक्षिक

प्रकाशन 1 फरवरी, 2021, डिस्पेच दिनांक 1 फरवरी, 2021

| वर्ष 64 | अंक 17 | भोपाल | 1 फरवरी, 2021 | पृष्ठ 8 | एक प्रति 7 रु. | वार्षिक शुल्क 150/- | आजीवन शुल्क 1500/- |

हृदय प्रदेश मध्यप्रदेश को सर्वश्रेष्ठ राज्य बनायेंगे - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने गणतंत्र दिवस पर रीवा में ध्वज फहराकर ली परेड की सलामी

भोपाल। गणतंत्र दिवस का रंगारंग और भव्य कार्यक्रम एसएएफ मैदान रीवा में आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने ध्वज फहराकर परेड की सलामी ली। समारोह में सुरक्षा बलों ने आकर्षक और मनोहारी परेड का प्रदर्शन किया। समारोह में आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश तथा प्रदेश के विकास को चित्रित करती हुई विभिन्न विभागों की आकर्षक झांकियां प्रस्तुत की गईं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इस अवसर पर उन्मुक्त आकाश में गुब्बारों का उड्डयन किया। उन्होंने परेड कमाण्डर एवं प्लाटून कमाण्डरों से परिचय प्राप्त किया।

इस दौरान मध्यप्रदेश गान का गायन भी हुआ। पुलिस बल ने हर्ष फायर कर महामहिम राष्ट्रपति की जय का उद्घोष किया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने गणतंत्र दिवस पर आम जनों को संबोधित करते हुए कहा कि हृदय प्रदेश मध्यप्रदेश को सर्वश्रेष्ठ राज्य बनायेंगे। इसके लिये सरकार और शासन के साथ-साथ प्रत्येक नागरिक का सहयोग आवश्यक होगा। जब प्रदेश के आठ करोड़ जन आगे कदम बढ़ायेंगे तो प्रदेश के विकास का पथ प्रशस्त हो जायेगा। प्रदेश वासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्व-रोजगार तथा आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश बनाने के लिये प्रयास किये जा रहे हैं। नगरों के साथ-साथ ग्रामों के विकास के लिये पांच वर्षीय कार्य योजना तैयार की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना संकट में मनरेगा योजना से रिकार्ड काम हुआ। दिव्यांगजनों को पेंशन, खाद्यान्न तथा छात्रवृत्ति का नियमित वितरण किया गया। शासकीय सेवकों का वेतन नियमित किया गया। उनकी एरियर्स की राशि का भी पाई-पाई भुगतान किया जायेगा। उन्होंने कहा कि विकास के कार्यों के साथ भू-माफिया, खनन माफिया, नशे का कारोबार करने वाले, चिटफंड कंपनी बनाकर जनता को लूटने वाले तथा बेटियों से दुर्व्यवहार करने वालों और धर्मान्तरण कराने वालों को मध्यप्रदेश की धरती पर नहीं रहने दिया जायेगा। पूरे प्रदेश में माफियाओं के विरूद्ध अभियान चलाया जा रहा है। मिलावट करने वालों को भी नहीं छोड़ा जायेगा। माफियाओं के कब्जे से आठ हजार करोड़ रूपये की कीमत की जमीन मुक्त करायी गई है।

(शेष पृष्ठ 6 पर)

सहकारिता मंत्री डॉ. अरविन्द सिंह भदौरिया ने किया मुख्य समारोह में ध्वजारोहण

भिण्ड। सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन विभाग के मंत्री डॉ अरविन्द सिंह भदौरिया ने गणतंत्र दिवस-26 जनवरी 2021 के जिला स्तरीय मुख्य समारोह पुलिस परेड ग्राउण्ड भिण्ड पर ध्वजारोहण किया। इसके बाद राष्ट्रगान हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन विभाग के मंत्री डॉ अरविन्द सिंह भदौरिया ने जिला कलेक्टर श्री वीरेन्द्र सिंह रावत एवं पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार सिंह के साथ परेड की टुकडियों का निरीक्षण किया। इसके बाद जिला स्तरीय मुख्य समारोह में प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के संदेश का वाचन किया।

सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन विभाग के मंत्री डॉ अरविन्द सिंह भदौरिया ने गणतंत्र दिवस-26 जनवरी 2021 के मुख्य समारोह में शांति के प्रतीक रंग बिरंगे गुब्बारे हवा में छोडे। मुख्य समारोह में परेड की टुकडियों ने हर्ष फायर किया।

शेष पृष्ठ 6 पर

श्री नरेश पाल कुमार द्वारा आयुक्त सहकारिता का पदभार ग्रहण

भोपाल। श्री नरेश पाल कुमार, आई.ए.एस. ने आयुक्त सहकारिता का पदभार ग्रहण कर लिया है। पूर्व में डॉ. एम.के. अग्रवाल आयुक्त सहकारिता थे तथा श्री नरेश पाल कुमार कमिश्नर, शहडोल संभाग थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान से मंत्री श्री भदौरिया की चाय पर चर्चा

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से मुख्यमंत्री निवास पर सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन मंत्री श्री अरविंद भदौरिया ने विभागीय योजनाओं के बारे में चाय पर चर्चा की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आमजन को लोक सेवाओं का बेहतर लाभ दिलवाने के लिए लगातार प्रयास किए जाएं। इसके लिए प्रमुख सचिवों के साथ चर्चा कर विभागों की सेवाओं को निश्चित समयावधि में देने के संबंध में निर्णय लिया जाएगा। वर्तमान में नागरिकों को लगभग 500 सेवाएँ प्रदान की जा रही हैं। मध्यप्रदेश इस दिशा में निरंतर प्रगति करेगा। मंत्री श्री भदौरिया ने सहकारी समितियों में कम्प्यूटराईजेशन, सेल्समेन की नियुक्ति, सहकारी समिति के सदस्यों को बिना बाधा के भूखण्ड उपलब्ध करवाने जैसे विषयों पर बातचीत की।

राज्य सहकारी संघ परिसर में प्रबंध संचालक श्री रंजन द्वारा ध्वजारोहण

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ परिसर में गणतंत्र दिवस पर प्रबंध संचालक श्री ऋतुराज रंजन ने ध्वजारोहण किया। आपने कर्मचारियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर राज्य सहकारी शिक्षा अधिकारी श्री संजय कुमार सिंह तथा अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

हर हाथ को मिलेगा हुनर : मुख्यमंत्री श्री चौहान

प्रदेश स्तरीय रोजगार उत्सव में नौजवानों से संवाद

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल के मिण्टो हॉल में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश स्तरीय ''रोजगार उत्सव'' का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हर हाथ को काम में मिले, इसके लिए लगातार प्रयास होंगे। युवा बुलंद हौसलों के साथ कार्य करें, सरकार उनके साथ है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोरोना काल से बिगड़ी अर्थ–व्यवस्था को तेजी से ठीक करने के प्रयास किए गए हैं। आर्थिक कठिनाइयों का रोना न रोते हुए हमने रास्ते निकाले हैं, यही सरकार और नेतृत्व का दायित्व भी है। आर्थिक गतिविधियों के लिए धन की कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी। प्रदेश में विभिन्न योजनाओं के तहत विभिन्न हितग्राहियों के खातों में 82 हजार करोड़ रूपये की राशि का अंतरण हुआ है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि सरकार के बजट का बड़ा हिस्सा वेतन के वितरण में चला जाता है और इसी बजट से विकास कार्य भी करने होते हैं, लेकिन इससे समझौता नहीं हो सकता। युवाओं को बाजार की मांग और आवश्यकता के अनुरूप प्रशिक्षित करना सरकार की प्राथमिकता है। इसे ध्यान में रखते हुए प्रदेश में अधोसंरचना, कृषि, खाद्य प्र–संस्करण, उद्यानिकी आदि के माध्यम से आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया गया है। खनिजों के दोहन और स्थानीय उत्पाद को प्रोत्साहित करने का कार्य हो रहा है। गत कुछ माह में 100 से अधिक रोजगार मेले भी लगाए गए हैं। हर महीने 1 लाख और वर्ष में 12 लाख युवा रोजगार या स्व–रोजगार हासिल कर लें, यह लक्ष्य लेकर कार्य शुरू किया है। नौजवानों को जीविका का साधन उपलब्ध करवा कर नई जिन्दगी दें, इसी उद्देश्य के साथ मध्यप्रदेश आत्म–निर्भर बनेगा।

मध्यप्रदेश की विशेषताएँ समृद्धि दिलवाएंगी

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में स्थानीय हुनर को प्रोत्साहन दिया जाएगा। दीपावली पर उपयोग में आने वाला दिया चीन से नहीं आना चाहिए। भारत में निर्मित वस्तुओं का ही उपयोग हो और हम लोकल को वोकल बनाने का कार्य करें। मध्यप्रदेश का बाघ प्रिंट, चंदेरी की साड़ियाँ, अगरिया समुदाय द्वारा निर्मित किए जाने वाले लौह उत्पाद प्रसिद्ध हैं। 'एक जिला एक उत्पाद' के अंतर्गत जिलों के उत्पाद और विशेष वस्तुओं को अंतर्राष्ट्रीय बाजार उपलब्ध करवाने का प्रयास सरकार का है। इन सभी प्रयासों से रोजगार और आर्थिक समृद्धि का मार्ग आसान हो रहा है।

ग्लोबल स्किल पार्क देगा युवाओं को प्रशिक्षण

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि भोपाल के ग्लोबल स्किल पार्क से प्रथम वर्ष में 6 हजार और फिर आगे प्रतिवर्ष 10 हजार युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह अंतर्राष्ट्रीय स्तर का स्किल पार्क होगा। इसे वर्ष 2022 तक निर्मित करने का लक्ष्य है। वर्ष 2019 में इसका निर्माण ठप्प हो गया था। इसे पुनः गति दी गई है। मॉडल आईटीआई के माध्यम से भी प्रदेश के संभागीय मुख्यालयों में युवाओं को प्रशिक्षित करने की व्यवस्था की गई है। पुरानी योजनाओं की री–पैकेजिंग भी की जा रही है। इन सभी कार्यों में धन की कमी नहीं आने दी जाएगी। निवेश के लिए सभी जरूरी सुविधाएँ दी जाएंगी। प्रदेश में हाल ही में प्रारंभ 20 औद्योगिक इकाइयों ने 4 हजार युवाओं को रोजगार दिया है। ये प्रयास जारी रहेंगे।

श्रम सिद्धि अभियान

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में 32 लाख नये श्रमिकों को जॉब कार्ड उपलब्ध करवाए गए हैं। करीब 92 लाख श्रमिकों को रोजगार भी दिलवाया गया है। वर्ष 2020–21 में हुआ यह कार्य प्रदेश के इतिहास का सबसे बड़ा रोजगार अभियान भी बन गया।

स्व–सहायता समूहों से मिली मदद

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में रोजगार के माध्यम से विभिन्न वर्गों की आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। स्व–सहायता समूहों के माध्यम से सामग्री के निर्माण और विक्रय का तंत्र सशक्त किया गया है। करीब पौने तीन लाख नए परिवार लगभग 25 हजार समूह से जुड़े हैं। पर्यटन से रोजगार के अंतर्गत बफर में सफर, नाईट सफारी और धार्मिक स्थानों के विकास के कार्यों से लोगों को आर्थिक संबल मिला है।

रोजगार पोर्टल कारगर सिद्ध होगा

कोरोना काल में रोजगार सेतु पोर्टल के माध्यम से 46 हजार नियुक्तियाँ संभव हो सकी। पोर्टल के माध्यम से 35 हजार नियोक्ता और 7 लाख से अधिक प्रवासी श्रमिक एक प्लेटफार्म पर आकर परस्पर जुड़ सके हैं। पुलिस में भर्ती के साथ ही अन्य विभागों के करीब 5 हजार रिक्त पद भरने की प्रक्रिया को गति दी गई है। शहरी और ग्रामीण स्ट्रीट वेंडर्स को ब्याज मुक्त ऋण दिलवाया गया है। मध्यप्रदेश में इस योजना के अंतर्गत शहरी क्षेत्र में हुई प्रगति देश में सर्वश्रेष्ठ है।

क्या तुम नहीं अनुभव करते कि दूसरों के उपर निर्भर रहना बुद्धिमानी नहीं हैं। बुद्धिमान व्यक्ति को अपने ही पैरों पर दृढ़ता पूर्वक खड़ा होकर कार्य करना चाहिए। धीरे–धीरे सब कुछ ठीक हो जाएगा।

– स्वामी विवेकानंद

उच्च नस्ल सुधार से प्रदेश में बढ़ा दुग्ध उत्पादन

मैत्री योजना में प्रदेश के गौ–सेवकों को दिया जा रहा है प्रशिक्षण

भोपाल। पशुपालन विभाग द्वारा लगातार गौ–वंश नस्ल सुधार से प्रदेश में दुग्ध उत्पादन में लगातार वृद्धि हो रही है। मध्यप्रदेश दुग्ध उत्पादन में देश में तीसरे स्थान पर है और प्रति व्यक्ति दुग्ध उपलब्धता 500 ग्राम प्रति व्यक्ति से अधिक है। केन्द्रीय मैत्री (बहुउद्देशीय ग्रामीण कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्ता) योजना के तहत वर्तमान में प्रदेश में 310 गौ–सेवकों को कृत्रिम गर्भाधान का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

प्रबंध संचालक राज्य पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम श्री एच.बी.एस. भदौरिया ने बताया कि केन्द्र शासन द्वारा वर्ष 2020–21 में 1100 मैत्री गौ–सेवकों के प्रशिक्षण के लिये 8 करोड़ 90 लाख रुपये की राशि विमुक्त की गई है। प्रशिक्षण से प्रदेश में उच्च नस्ल के दुधारु पशु बढ़ेंगे, जिससे दुग्ध उत्पादन बढ़ने के साथ ही किसानों और ग्रामीणों की आय में बढ़ोतरी होगी। मैत्री को 3 माह का प्रशिक्षण दिया जाता है, जिसमें एक माह का सैद्धांतिक प्रशिक्षण और 2 माह का मैदानी स्तर पर व्यवहारिक प्रशिक्षण शामिल है। प्रशिक्षण गौ–सेवक या 10वीं पास 18 वर्ष से अधिक आयु के युवकों को दिया जाता है। प्रशिक्षण के दौरान छात्रावास शुल्क के साथ खाने की व्यवस्था निरूशुल्क रहती है।

सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले मैत्री को परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद पंजीयन कर प्रमाण–पत्र दिया जाता है। इसके बाद प्रशिक्षित मैत्री को 50 हजार रुपये की एआई किट, तरल नाइट्रोजन और ट्रेविस आदि निःशुल्क दिये जाते हैं। मैत्री कार्यकर्ताओं को कृत्रिम गर्भाधान कार्य के अलावा कृमिनाशक टीकाकरण, दुग्ध उत्पादन नापना, पशुओं की टैगिंग कर पंजीयन करने आदि के कार्य भी दिये जाते हैं। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में आय के साधन में बढ़ोतरी हो रही है।

समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के लिये पंजीयन

भोपाल। समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के लिए 20 फरवरी तक किसान अपने पंजीयन करवा सकते है, जिला आपूर्ति नियंत्रक, भोपाल ने बताया कि जिले में रबी विपणन वर्ष 2021–22 में समर्थन मूल्य पर गेहूं क्रय किए जाने के लिए पंजीयन केन्द्रों पर 25 जनवरी से 20 फरवरी 2021 तक किसान पंजीयन एवं संशोधन का कार्य किया जाएगा। जिन किसानों द्वारा पूर्व वर्षों में गेहूं का पंजीयन कराया गया है उन्हें नवीन पंजीयन करवाने की आवश्यकता नहीं है। यदि विगत वर्ष के पंजीयन में आधार नम्बर, बैंक खाता नंबर, मोबाईल नम्बर में परिवर्तन कराना हो तो उस समय प्रमाणित दस्तावेज पंजीयन केन्द्र पर किसान द्वारा लाकर संशोधन करा सकते हैं।

खाद्य नियंत्रक ने बताया कि वनाधिकार पट्टाधारी एवं सिकमी किसानों को वनपट्टा तथा सिकमी अनुबंध की प्रति उपलब्ध कराना होगी। जिन किसानों द्वारा विगत रबी विपणन एवं खरीफ विपणन में पंजीयन नहीं कराया गया था एवं ई–उपार्जन पोर्टल पर उनका डाटाबेस उपलब्ध नहीं है, ऐसे किसानों को समिति स्तर पर पंजीयन के लिए आधार नम्बर, बैंक खाता नम्बर, मोबाईल नम्बर एवं निर्धारित प्रारूप में आवेदन पंजीयन केन्द्र पर उपलब्ध कराना होगा।

गेहूं के पंजीयन का कार्य प्राथमिक कृषि सहकारी साख संस्थाओं के पंजीयन केन्द्र, गिरदावरी किसान एप, कियोस्क कॉमन सर्विस सेनटरध्लोक सेवा केन्द्र पर गिरदावरी किसान एप से किया जाएगा। सिकमीदार एवं वनाधिकार पट्टेधारी किसानों का पंजीयन समिति स्तर पर स्थापित पंजीयन केन्द्र पर ही किया जाएगा। किसान पंजीयन भू–अभिलेख डाटाबेस आधारित किया जाएगा। भोपाल जिले में 31 पंजीयन केन्द्र बनाएं गए हैं।

किसानों से अपील की गई है वे 20 फरवरी तक अपना पंजीयन संशोधन अवश्य करें।

प्रदेश में धान की रिकार्ड 37.26 लाख मीट्रिक टन समर्थन मूल्य पर खरीदी हुई

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने दी सभी संबंधित विभागों को बधाई

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि इस वर्ष प्रदेश में धान की समर्थन मूल्य पर रिकार्ड खरीदी 37.26 लाख मीट्रिक टन हुई है। किसानों को 5 हजार करोड़ रूपए का भुगतान कर दिया गया है तथा 90 प्रतिशत धान का परिवहन हो गया है। प्रदेश में धान की खरीदी के श्रेष्ठ कार्य के लिए खाद्य विभाग, मार्कफेड, नागरिक आपूर्ति निगम सहित सभी संबंधित विभाग बधाई के पात्र हैं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निर्देश दिए कि किसानों का बचा हुआ भुगतान भी शीघ्र हो जाए तथा शेष धान का परिवहन जल्दी से जल्दी करा लिया जाए। साथ ही खरीदी गई धान की मिलिंग का कार्य भी यथाशीघ्र करा लिया जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान मंत्रालय में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के कार्य की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री बिसाहू लाल सिंह, मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, प्रमुख सचिव श्री फैज अहमद किदवई, प्रमुख सचिव श्री मनोज गोविल, प्रबंध संचालक मार्कफेड श्री पी. नरहरि आदि उपस्थित थे।

सभी जिलों में गत वर्ष से अधिक खरीदी

समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के अंतर्गत इस वर्ष विदिशा छोड़कर प्रदेश के सभी जिलों में गत वर्ष की तुलना में कहीं अधिक खरीदी हुई है। सर्वाधिक खरीदी वाले जिलों में होशंगाबाद, रायसेन तथा सीहोर शामिल हैं, जिनमें गत वर्ष की तुलना में क्रमशः 217 प्रतिशत, 310 प्रतिशत तथा 321 प्रतिशत खरीदी हुई है। वर्ष 2019–20 में प्रदेश में कुल 25 लाख 85 हजार मैट्रिक टन तथा वर्ष 2018–19 में प्रदेश में कुल 21 लाख 96 हज़ार मैट्रिक टन धान की खरीदी की गई थी।

2 लाख 24 हज़ार मैट्रिक टन ज्वार एवं बाजरे की खरीदी

समर्थन मूल्य पर इस वर्ष कुल 2 लाख 24 हज़ार 919 मीट्रिक टन ज्वार एवं बाजरे की खरीदी की गई है। कुल 6491 किसानों ने समर्थन मूल्य पर ज्वार तथा 35926 किसानों ने समर्थन मूल्य पर बाजरा विक्रय किया गया है। इनकी कुल 497 करोड़ रुपए खरीदी राशि है, जिसके विरुद्ध किसानों को 496 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है।

उपार्जन के दौरान मिलिंग प्रारंभ कराई गई

इस बार सरकार ने पहली बार धान के उपार्जन के दौरान मिलिंग करने की नीति बनाई। उपार्जन के दौरान मिलर्स द्वारा 60 हज़ार 597 मीट्रिक टन धान का उठाव किया गया। मिलर्स द्वारा सर्वाधिक उठाव जबलपुर जिले में 37 हजार 800 मीट्रिक टन किया गया। बरसात से पूर्व खरीदी गई संपूर्ण धान की मिलिंग कराए जाने के निर्देश दिए गए।

इस वर्ष रबी में समर्थन मूल्य खरीदी के लिए पंजीयन का कार्य 25 जनवरी से 20 फरवरी तक किया जाएगा। इसके लिए प्रदेश में कुल 4529 पंजीयन केंद्र बनाए गए हैं, जबकि गत वर्ष 2991 पंजीयन केंद्र बनाए गए थे।

सिकमी/बटाईदारों के पंजीयन की नवीन व्यवस्था

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि इस वर्ष रबी में सिकमी/बटाईदरों के पंजीयन की नई व्यवस्था की जा रही है। इसके अंतर्गत 5 हेक्टर तक अनुबंधित रकबे के लिए समर्थन मूल्य पर खरीदी के लिए पंजीयन किया जाएगा।

"निरंतर विकास जीवन का नियम है, और जो व्यक्ति खुद को सही दिखाने के लिए हमेशा अपनी रूढिवादिता को बरकरार रखने की कोशिश करता है वो खुद को गलत स्थिति में पहुंचा देता है।

–महात्मा गांधी

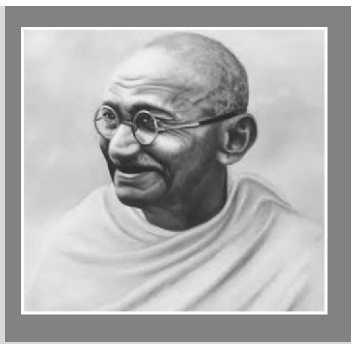

वन मंत्री ने विंध्य हर्बल्स उत्पादों के ऑनलाइन विक्रय का किया लोकार्पण

भोपाल। वन मंत्री कुंवर विजय शाह ने कहा है कि विंध्य हर्बल्स उत्पादों के ऑनलाइन विपणन प्रक्रिया अपनाये जाने से इन उत्पादों की पहुँच प्रदेश के सभी अंचलों के साथ अन्य प्रदेशों में होगी। वन मंत्री मंत्रालय में विंध्य हर्बल्स उत्पादों के ऑनलाइन विक्रय का लोकार्पण कर रहे थे।

वन मंत्री ने कहा कि ऑनलाइन विपणन की प्रबल संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए अमेजान ऑनलाइन विपणन मंच पर 20 उत्पादों को ऑनलाइन उपलब्ध कराया जायेगा। उन्होंने कहा कि विंध्य हर्बल्स के उत्पादों के विक्रय केन्द्रों का जिला और ब्लॉक स्तर पर विस्तार किया जाना चाहिये। उन्होंने इसके लिये विभाग को स्पष्ट नीति बनाने के निर्देश दिये। लघु वनोपज प्र–संस्करण एवं अनुसंधान केन्द्र (एमएफपी पार्क) बरखेड़ा पठानी भोपाल के सीईओ श्री विवेक जैन ने बताया कि कुछ चुनिंदा उत्पाद च्यवनप्राश, शहद, इम्युनिटी बूस्टर किट, गिफ्ट पैक, अश्वगंधा चूर्ण, गिलोय चूर्ण, सफेद मूसली चूर्ण, पौष्टिक चूर्ण और पीड़ाहारी तेल इत्यादि को ऑनलाइन विपणन मंच पर लाया गया है। 20 उत्पादों के बाद 50 उत्पादों तक बढ़ाये जाने की योजना को हाथ में लिया जायेगा। इस अवसर पर प्रमुख सचिव वन श्री अशोक वर्णवाल, पीसीसीएफ श्री राजेश श्रीवास्तव सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

सहकारिता मंत्री श्री भदौरिया ने किया कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम का शुभारम्भ

अत्याधुनिक कोविड 19 आईसीयु का भी किया उद्घाटन

भिण्ड। जिले में कोविड–19 टीकाकरण कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेश के सहकारिता एवं लोकसेवा प्रवंधन मंत्री डॉ अरविन्द भदौरिया एवं क्षेत्रीय विधायक श्री संजीव सिंह की उपस्थिति में हुआ। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा राष्ट्र स्तर से टीकाकरण का उद्घाटन लाइव प्रसारण के माध्यम से किया गया। जिला चिकित्सालय के वार्डबाय के पद पर कार्यरत श्री सोनल कुमार को कोविड–19 वेक्सीन का पहला टीका सुरक्षित तरीके से लगाया गया। टीकाकरण प्रारंभ होने से एक बजे तक 40 से अधिक लोगो को सुरक्षित तरीके से टीकाकरण किया जा चुका था। मंत्री डॉ भदौरिया ने टीकाकरण केंद्र का निरीक्षण किया और सभी व्यवस्थाओ को देखकर कार्य की सराहना की। सहकारिता एवं लोकसेवा प्रवंधन विभाग मंत्री श्री अरविन्द भदौरिया एवं क्षेत्रीय विधायक श्री संजीव सिंह ने जिला अस्पताल में नवनिर्मित अत्याधुनिक कोविड–19 आईसीयू का भी फीता काटकर उद्घाटन कर उसका अवलोकन किया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री वीरेन्द्र सिंह रावत, पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार सिंह, सीईओ जिला पंचायत श्री आईएस ठाकुर, एसडीएम भिण्ड–अटेर श्री उदयसिंह सिकरवार, सीएमएचओ डॉ अजीत मिश्रा, सविलि सर्जन डॉ अनिल गोयल, अधिकारी/कर्मचारीणग, मीडिया कर्मी एवं अन्य चिकित्सकगण उपस्थित थे। सहकारिता मंत्री डॉ श्री अरविन्द भदौरिया ने सभी से अपील की है, कि कोविड वैक्सीन सुरक्षित है, सभी हेल्थ केयर वर्कर, फ्रंट लाइन वर्कर बिना झिझक के यह सुरक्षित वैक्सीन लगवाये। प्रातः 11 बजे से टीकाकरण प्रारंभ हुआ, जिसमे प्रथम दिवस 100 लाभार्थियों को टीका दिए जाने की सूची कोविन पोर्टल द्वारा जनरेट की गयी।

प्रदेश में 'लैंड टाइटलिंग' के लिए कानून बनाया जाएगा : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने राजस्व विभाग के कार्यों की समीक्षा की

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में लैंड टाइटलिंग प्रणाली के क्रियान्वयन के लिए कानून बनाया जाएगा। इसके माध्यम से मौका, नक्शा एवं खसरा में समानता होगी तथा विवाद रहित भूमि का भू–स्वामित्व संबंधित भू–स्वामी को प्रदान किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में व्यापक पैमाने पर राजस्व सुधार किए गए हैं, जिनके फलस्वरूप नागरिकों को कई प्रकार की सुविधाएं उनके मोबाइल पर घर बैठे मिल रही हैं। नागरिकों को भू–अभिलेखों की कहीं से भी प्रतिलिपि ऑनलाइन प्राप्त करने की सुविधा प्रदान की गई हैं। नागरिकों को एम.पी. भू–लेख पोर्टल के माध्यम से भूमि संबंधी सेवाएं, आर.सी.एम.एस. पोर्टल के माध्यम से राजस्व न्यायालयों से संबंधित सेवाएं, सारा पोर्टल के माध्यम से गिरदावरी व अन्य सर्वे संबंधी सुविधाएं तथा किसान एप्प के माध्यम से ई–उपार्जन पंजीयन, फसल स्व–घोषणा, गिरदावरी की जानकारी आदि सेवाएं प्राप्त हो रही हैं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान आज मंत्रालय में राजस्व विभाग के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में राजस्व मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत, मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, प्रमुख सचिव श्री मनीष रस्तोगी, प्रमुख सचिव श्री मनोज गोविल आदि उपस्थित थे।

तीन वर्षों में करें कार्य पूर्ण

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निर्देश दिए कि भूमि के नक्शों के डिजिटलाइजेशन का कार्य 3 वर्षों में पूरा किया जाए। कोर्स नैटवर्क की स्थापना कर सीमांकन की सुविधा प्रदान की जाए।

स्वामित्व योजना का त्वरित क्रियान्वयन करें

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निर्देश दिए कि प्रदेश में स्वामित्व योजना का त्वरित क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। इसके अंतर्गत 22 हजार 580 गांवों का आबादी सर्वे किया जाना है तथा गांवों में मकान, जमीन का स्वामित्व प्रदान किया जाना है। इससे मकान, जमीन पर स्वामित्व हक प्राप्त होने से बैंकों से ऋण लेने सहित कई सुविधाएं प्राप्त होंगी।

20 लाख किसानों को किसान कल्याण की राशि शीघ्र

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के अंतर्गत प्रदेश के 20 लाख किसानों को 2–2 हजार रूपए के मान से कुल 400 करोड़ रूपए की राशि शीघ्र ही उनके खातों में अंतरित की जाएगी।

भू–अभिलेखों की ऑनलाइन प्रतिलिपि

प्रदेश में भू–अभिलेखों की ऑनलाइन प्रति प्रदाय करने की सुविधा भी प्रारंभ की गई है। पटवारियों को लैपटॉप प्रदाय किए जा रहे हैं। प्रदेश में कहीं से भी नामांतरण की सुविधा प्रदान की जा रही है। आसामीवार खतौनी प्रदान की भी योजना है। ऑनलाइन भूमि व्यपवर्तन (डायवर्सन) तथा ऑनलाइन भूमि बंधक की सुविधा भी दी जा रही है। रैवेन्यू केस मैनेजमेंट सिस्टम द्वारा नागरिकों को सभी राजस्व प्रकरणों को ऑनलाइन दर्ज कराने एवं निराकरण की सुविधा दी जा रही है। 'सारा एप्प' के माध्यम से नागरिकों को आबादी सर्वे (स्वामित्व), ई–गिरदावरी, फसल कटाई प्रयोग, प्राकृतिक प्रकोप पंजी, किसान कल्याण योजना आदि सुविधा प्रदान की जा रही हैं।

2 करोड़ 11 लाख हेक्टेयर क्षेत्र की ई–गिरदावरी सफल

प्रदेश में ई–गिरदावरी के अंतर्गत कुल 2 करोड़ 62 लाख हैक्टेयर क्षेत्रफल में से 2 करोड़ 11 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल की ई–गिरदावरी का कार्य पूर्ण किया जा चुका है, जो लक्ष्य का 80.74 प्रतिशत है।

अपेक्स बैंक में बचत माह आयोजन

भोपाल। अपेक्स बैंक द्वारा दिनांक 15/01/2021 से 15/02/2021 तक बचत माह का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर ग्राहक आधार बढ़ाने एवं अमानत संग्रहण बढ़ाने का शाखावार एवं कर्मचारीवार लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं।

बैंक के प्रभारी प्रबंधक संचालक श्री प्रदीप नीखरा द्वारा अवगत कराया गया कि शाखाओं को अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचने एवं उन्हें बैंक की बचत योजनाओं तथा ब्याज दरों से अवगत कराने तथा उनसे अमानत संग्रहित करने हेतु निर्देशित किया गया है। श्री नीखरा द्वारा बताया गया कि अपेक्स बैंक द्वारा अपने ग्राहकों को उनकी बचत पर प्रतिस्पर्धात्मक दर से ब्याज प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने विशेष रूप से बताया कि वरिष्ठ नागरिकों को 1: अधिक ब्याज प्रदान किया जाता है।

श्री नीखरा द्वारा बताया गया कि बैंक द्वारा अपने ग्राहकों को Mobile app की सुविधा दी जा रही है, जिसके तहत् बैंक का ग्राहक कहीं भी–कभी भी बैंकिंग संव्यवहार कर सकता है। इसके अतिरिक्त बैंक द्वारा NEFT, RTGS, IMPS एवं RuPay Card सुविधा भी प्रदान की गई है। UTI आधारित ट्रांजेक्शन सुविधा भी प्रदान करने की कार्यवाही चल रही है एवं मासांत जनवरी, 2021 तक यह सुविधा ग्राहकों को प्रदान करने हेतु प्रयासरत हैं।

बैंक द्वारा अपने ग्राहकों की मूल्यवान वस्तुओं की सुरक्षा हेतु लॉकर्स सुविधा भी रियायती दरों पर उपलब्ध कराई जा रही है साथ ही खाते को नामे कर डिमाण्ड ड्राफ्ट/बैंकर्स चैक बनवाने पर कोई शुल्क नहीं लिया जाता है।

बचत माह के दौरान न केवल अमानत संग्रहण हेतु कार्य किया जाता है अपितु बैंक की विभिन्न व्यक्तिगत ऋण योजनाओं यथा– उपभोक्ता ऋण, व्यक्तिगत ऋण, आवास ऋण, वाहन ऋण, व्यापारियों को नगद साख सीमा, अचल सम्पत्ति के बंधक पर ऋण, उच्च शिक्षा ऋण, परियोजना ऋण, भ्रमण ऋण, त्यौहार ऋण एवं चिकित्सा ऋण के तहत् ऋण वितरित भी किया जाता है। उन्होंने बताया कि केन्द्र शासन, राज्य शासन, शासकीय निगम, मण्डल, बोर्ड, सहकारी बैंकों, संस्थाओं एवं राष्ट्रीयकृत बैंकों के नियमित कर्मचारियों को मात्र 8: की दर पर उक्त ऋण योजनाओं के अंतर्गत ऋण प्रदान किया जाता है।

अपेक्स बैंक द्वारा प्रत्येक शाखा में सर्वाधिक अमानत रखने वाले प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय अमानतदारों को बचत माह के दौरान सम्मानित किए जाने की परम्परा भी प्रारंभ की जा रही है तथा बचत माह के दौरान अमानत संग्रहण में उत्तम कार्य करने वाली शाखाओं को पुरूस्कृत किया जावेगा।

कृषक मित्र के लिए 20 जनवरी तक आवेदन पत्र आमंत्रित

भोपाल। मध्यप्रदेश शासन किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग मंत्रालय भोपाल द्वारा सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन आत्मा अंतर्गत नये सिरे से ष्कृषक मित्र के चयन हेतु जारी नवीन दिशा निर्देशानुसार दो आबाद ग्राम के मध्य एक कृषक का चयन किया जायेगा। जो अपने कार्यक्षेत्र में कृषक एवं प्रसार तंत्र के बीच जीवन्त सबंध स्थापित करेगें तथा कृषि के साथ–साथ अन्य संबंधित विभागों एवं कृषकों के मध्य कड़ी का कार्य करेंगे तथा अधिक से अधिक कृषकों को तकनीकी संपन्न बनाएँगे।

आत्मा परियोजना संचालक श्री सी आर गौर ने बताया कि कृषक मित्र हेतु आवेदक को हाईस्कूल उत्तीर्ण होना चाहिए और उसकी आयु 40 वर्ष से अधिक होना चाहिए, उसे निर्धारित दो आबाद ग्राम में से एक ग्राम का निवासी होना चाहिए और उसके स्वयं के नाम से भूमि पर कृषि कार्य करता हो। उपरोक्त निर्धारित अर्हता रखने वाले इच्छुक कृषक निर्धारित प्रारूप में आवेदन मय प्रमाण पत्र एवं दस्तावेज, दिनांक 20 जनवरी 2021 को होने वाली विशेष ग्राम सभा में आवेदन कर सकते है। कृषक मित्र के चयन हेतु अधिक जानकारी के लिये संबंधित विकासखण्ड के विकासखण्ड तकनीकी प्रबंधक, सहायक तकनीकी प्रबंधक, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी तथा वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी से संपर्क किया जा सकता है।

जन्म के पहले से मृत्यु के बाद तक गरीबों का संबल है 'संबल' योजना

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने 10,285 हितग्राहियों को 224 करोड़ की अनुग्रह सहायता राशि अंतरित की

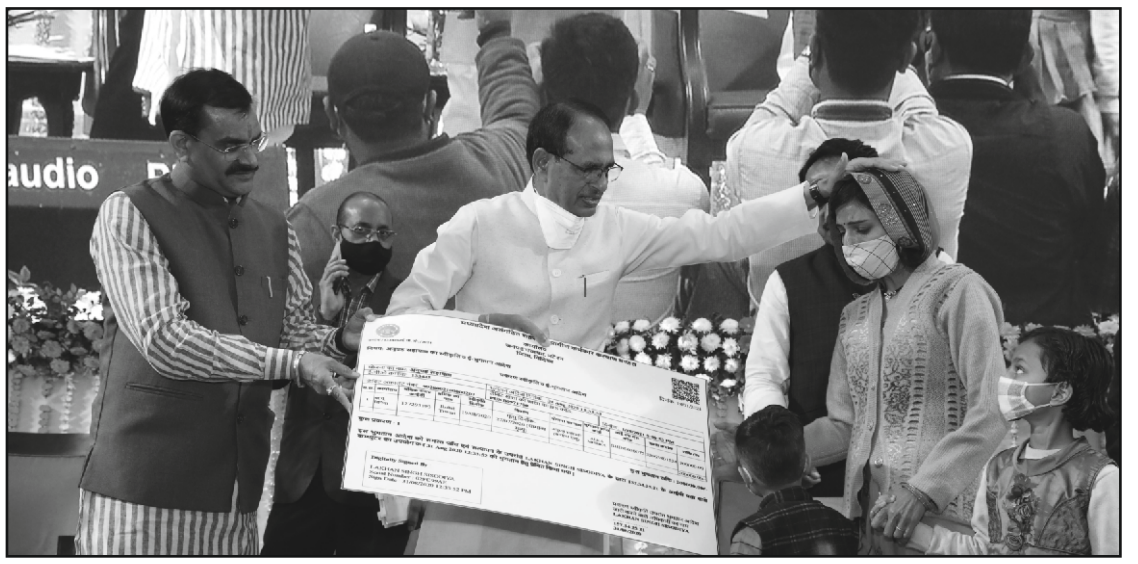

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि बच्चे के जन्म के पूर्व से मृत्यु के बाद तक संबल योजना गरीबों का संबल है। योजना में बच्चे के जन्म से पहले 4 हजार रूपए, जन्म के बाद 16 हजार रूपए, फिर पढ़ाई, राशन, मकान, इलाज और मृत्यु के बाद अनुग्रह सहायता दी जाती है। पिछली सरकार ने गरीबों को योजना का लाभ देना बंद कर दिया था। हमारी सरकार ने योजना को दोबारा चालू किया है तथा प्रत्येक गरीब का योजना में पंजीयन किया जाकर, लाभ दिलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आज मिंटो हॉल में आयोजित कार्यक्रम में संबल योजना के 10 हजार 285 हितग्राहियों को 224 करोड़ 08 लाख रूपए की अनुग्रह सहायता राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से उनके खातों में अंतरित की।

कार्यक्रम में खनिज एवं श्रम मंत्री श्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह, सांसद श्री वी.डी. शर्मा, प्रमुख सचिव श्री उमाकांत उमराव और श्रमायुक्त श्री आशुतोष अवस्थी आदि उपस्थित थे।

वर्ष 2024 तक हर गरीब को पक्की छत और नल से पानी

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि सरकार ने तय किया है कि वर्ष 2024 तक कोई गरीब कच्चे मकान में नहीं रहेगा। सबकी पक्की छत होगी। साथ ही हर घर में नल से पानी दिया जाएगा।

जो सबसे पीछे और सबसे नीचे, उसका सबसे पहले ध्यान

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि समाज में जो सबसे पीछे और सबसे नीचे है, उसका मध्यप्रदेश सरकार सबसे पहले ध्यान रखती है। सरकार हर गरीब के लिए रोटी, कपड़ा, मकान, पढ़ाई–लिखाई तथा दवाई का इंतजाम कर रही है।

और खोले जाएंगे श्रमोदय विद्यालय

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में मजदूरों के बच्चों को अच्छी शिक्षा देने के लिए 4 श्रमोदय विद्यालय संचालित हैं। शिक्षा विस्तार की दृष्टि से प्रदेश में और श्रमोदय विद्यालय खोले जाएंगे।

संसाधनों पर सबका अधिकार

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि संसाधनों पर सबका अधिकार है। हम सभी गरीबों को उनके अधिकार दिलाएंगे। जो अधिक कमाते हैं उनसे टैक्स लेंगे और जिनके पास नहीं है उन्हें सहायता करेंगे।

संबल, सरकार और शिवराज आपके साथ हैं

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बैतूल जिले की श्रीमती मुमताज बानो से संवाद (वर्चुअल) के दौरान कहा कि ष्संबल, सरकार और शिवराज आपके साथ हैं।ष मुमताज बानो ने बताया कि अनुग्रह राशि के 2 लाख रूपए से वे बकरी पालन तथा किराने की दुकान करेंगी। उनके पति की कैंसर से मृत्यु हो गई थी।

हम हर संकट में आपके साथ

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जबलपुर की श्रीमती राशि देवलिया, बड़वाह की श्रीमती यशोदा बाई कुशवाह एवं उज्जैन की श्रीमती ममता सिकरवार से संवाद के दौरान कहा कि वे अपने को अकेला न समझें। हम हर संकट में आपके साथ हैं। आपका भाई आपके साथ खड़ा है। 'संबल' से मिली राशि का सदुपयोग करिए। बच्चों को पढ़ाइए।

सबसे संवेदनशील योजना है 'संबल'

श्रम मंत्री श्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री चौहान की सबसे संवेदनशील योजना है 'संबल' योजना। योजना से अभी तक प्रदेश में 1 लाख 80 हजार हितग्राहियों को 1483 करोड़ रूपए का हितलाभ वितरित किया गया है। योजना में 1 लाख 92 हजार प्रवासी मजदूरों का भी पंजीयन कर उन्हें लाभ दिया जा रहा है।

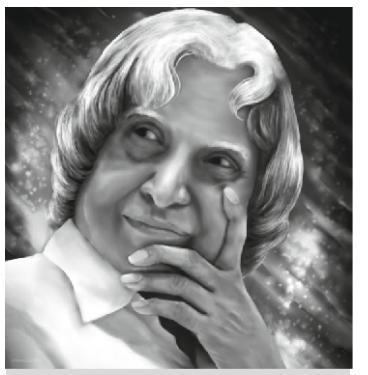

बारिश के दौरान सारे पक्षी आश्रय की तलाश करते है लेकिन बाज बादलों के उपर उड़कर बारिश को ही अवॉयड कर देते है। समस्याए कॉमन है, लेकिन आपका एटीट्यूड इनमें डिफरेंस पैदा करता है।

— अब्दुल कलाम

प्रत्येक राज्य में योजना की सराहना

सांसद श्री वी.डी. शर्मा ने कहा कि संबल योजना प्रदेश में गरीबों का संबल बन गई है। इस योजना की प्रत्येक राज्य में सराहना हो रही है। कोविड संकट के दौरान भी निरंतर गरीबों को योजना का लाभ मिला।

मध्यप्रदेश सरकार गरीबों के प्रति समर्पित सरकार है। सरकार ने अभी तक गरीबों एवं किसानों के खातों में 82 हजार करोड़ रूपए की राशि डाली है।

बेटियों के पूजन से शुभारंभ

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बेटियों के पूजन के साथ किया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश गान हुआ।

प्रदेश को जल जीवन मिशन में मिला 320 करोड़ से अधिक का अनुदान

भोपाल। मध्यप्रदेश को राष्ट्रीय जल जीवन मिशन के अन्तर्गत भारत सरकार से पहली किस्त की द्वितीय ट्रान्च अनुदान राशि 320.13 करोड़ रूपये प्राप्त हो गई है। चालू वित्तीय वर्ष की दूसरी किश्त के अन्तर्गत प्रथम ट्रान्च अनुदान राशि जनवरी अंत तक तथा द्वितीय ट्रान्च राशि मार्च में प्राप्त हो जायेगी। मिशन में भारत सरकार से इस वर्ष 1280.13 करोड़ की अनुदान राशि स्वीकृत की गयी थी। मिशन के अन्तर्गत 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर द्वितीय ट्रान्च अनुदान राशि प्राप्त करने वाले अग्रणी राज्यों में मध्यप्रदेश शामिल है।

राष्ट्रीय जल जीवन मिशन में ग्रामीण आबादी को नल कनेक्शन के जरिये पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए निर्मित की जा रही जलप्रदाय योजनाओं पर होने वाली व्यय राशि का 50–50 प्रतिशत हिस्सा केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाता है। प्रदेश के पास जल जीवन मिशन में भारत सरकार से वर्ष 2019–20 में प्राप्त अनुदान राशि में से 244.95 करोड़ की शेष राशि उपलब्ध थी तथा चालू वित्तीय वर्ष में 1280.13 करोड़ का अनुदान स्वीकृत किया गया। इसी समान अनुपात में राज्य सरकार द्वारा भी अपना करीब 1500 करोड़ रूपये का अंशदान शामिल कर जलप्रदाय योजनाओं का कार्य किया जा रहा है। भारत सरकार जल शक्ति मंत्रालय द्वारा IFMS पोर्टल के माध्यम से निरंतर यह मॉनिटरिंग की जाती है कि किसी भी राज्य द्वारा जल जीवन मिशन के अन्तर्गत कितनी राशि व्यय (खर्च) की जा चुकी है। मैचिंग ग्रान्ट (50:50) के अनुसार 80 प्रतिशत राशि व्यय किये जाने की स्थिति में अगली किश्त (ट्रान्च) भारत सरकार द्वारा स्वमेव जारी कर दी जाती है।

'स्वामित्व योजना' के क्रियान्वयन के लिए भूमि से जुड़े विवादों को दूर करना जरूरी

सचिव भारत सरकार द्वारा पंचायत राज की समीक्षा

भोपाल। भारत सरकार पंचायतीराज सचिव श्री सुनील कुमार ने मध्यप्रदेश में स्वामित्व योजना के क्रियान्वयन और पंचायतीराज के तहत मध्यप्रदेश में चल रहे कार्यों की समीक्षा की। श्री कुमार ने कहा कि स्वामित्व योजना में मध्यप्रदेश के हर ग्राम की सुव्यवस्थित बसाहट की योजना बनाई जा रही है। इसका सर्वेक्षण का कार्य वर्ष 2022 तक पूरा कर लिया जायेगा। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी नगरीय विकास के बिन्दु लागू होंगे जिससे अब हर कहीं मकान नहीं बनाया जा सकेगा।

बैठक में श्री सुनील कुमार ने कहा कि स्वामित्व योजना के क्रियान्वयन के लिए भूमि से जुड़े विवादों को दूर कर पुराने नियमों को समाप्त करना होगा। योजना के क्रियान्वयन के लिए सर्वे का कार्य शीघ्र करना होगा। आबादी क्षेत्र और

भूखंडों के निर्धारित भू–अभिलेखों का व्यवस्थित संधारण कर उसकी उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। श्री कुमार ने कहा कि स्पेशल सर्वे के लिये दलों का गठन शीघ्र किया जाये। मोबाइल पर डाटा डाउनलोड कर आधार डेटा को समग्र करने के साथ नक्शे का सत्यापन प्राधिकार अभिलेख का प्रकाशन भी करवाया जायें।

सचिव श्री कुमार ने कहा कि मध्यप्रदेश भू–अभिलेख पोर्टल, अधिकार अभिलेख की जानकारी, अद्यतन खसरा की प्रतिलिपि और सभी क्षेत्रों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिला सभी की समान भागीदारी रखी जाए। विंध्याचल भवन में आयोजित इस समीक्षा बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री मनोज श्रीवास्तव, प्रमुख सचिव श्री मनीष रस्तोगी, संचालक पंचायतीराज श्री बी.एस. जामोद सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

गोबर एवं पराली दोनों ही अत्यंत उपयोगी

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने भारत बायोगैस एनर्जी लिमिटेड के पदाधिकारियों के साथ की बैठक

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि गोबर एवं पराली दोनों ही अत्यंत उपयोगी है तथा इनके उपयोग से मध्यप्रदेश में बायो सीएनजी तथा ऑर्गेनिक सॉलिड एवं लिक्विड फर्टिलाइजर्स के उत्पादन के लिए योजना बनाई जा रही है। पहले चरण में इसके लिए सालरिया गो–अभयारण्य एवं कामधेनु रायसेन को चुना गया है। यहां भारत बायोगैस एनर्जी लिमिटेड के माध्यम से प्रोजेक्ट बनाए जाकर उस पर कार्य किया जाएगा। हमारे पड़ोसी राज्य गुजरात में इन दोनों पर ही सफलतापूर्वक कार्य किया जा रहा है। मध्य प्रदेश भी गोबर तथा पराली से सीएनजी तथा बायो–फर्टिलाइजर्स उत्पादन के क्षेत्र में तेजी से कार्य करेगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान आज निवास पर भारत बायोगैस एनर्जी लिमिटेड, आनंद गुजरात के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे। बैठक में पशुपालन मंत्री श्री प्रेम सिंह पटेल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री महेन्द्र सिंह सिसौदिया, भारत बायोगैस के चेयरमैन डॉ. भरत जी पटेल, श्री सुबोध शाह, श्री फणींद्र भूषण, अपर मुख्य सचिव श्री के.के. सिंह, प्रमुख सचिव श्री अजीत केसरी, प्रमुख सचिव श्री मनीष रस्तोगी आदि उपस्थित थे।

परियोजना संचालित करेंगे, प्रशिक्षण भी देंगे

भारत बायोगैस के चेयरमैन श्री भरत पटेल ने कहा कि भारत बायोगैस द्वारा इन दोनों स्थानों पर बायो सीएनजी एवं बायो सॉलिड तथा लिक्विड फर्टिलाइजर की पूरी योजना बनाई जाएगी जिसे 3 से 5 वर्ष तक चलाया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इस पर प्रारंभिक स्वीकृति देते हुए अधिकारियों को आगे की कार्रवाई के निर्देश दिए।

3000 किलोग्राम सीएनजी प्रतिदिन

प्रोजेक्ट प्रस्तुतीकरण में श्री पटेल ने बताया कि सालरिया गो–अभ्यारण में प्रतिदिन 70 मीट्रिक टन रॉ–मटेरियल, जिसमें गोबर, पराली, घास तथा ग्रामीण कचरा शामिल हैं, से लगभग 3000 किलोग्राम बायो सीएनजी का प्रतिदिन उत्पादन किया जाएगा। इसी के साथ लगभग 25 मीट्रिक टन सॉलिड ऑर्गेनिक फर्टिलाइजर तथा लगभग 7000 लीटर लिक्विड ऑर्गेनिक फर्टिलाइजर का प्रतिदिन उत्पादन किया जाएगा। इसी के साथ वहां विभिन्न प्रजातियों का पौधारोपण, बांस रोपण, ड्रैगन फ्रूट प्लांटेशन आदि भी किए जाएंगे।

रायसेन में बनाएंगे मॉडल प्लांट

श्री पटेल ने बताया कि रायसेन में खेत की पराली एवं गोबर के मिश्रण से बायोगैस एवं फर्टिलाइजर्स बनाने का मॉडल प्लांट लगाए जाने की योजना बनाई जा रही है। इस प्लांट मैं रॉ–मटेरियल के रूप में प्रतिदिन लगभग 10 मी.टन गोबर एवं पराली के मिश्रण से प्रतिदिन 400 किलोग्राम बायो सीएनजी लगभग 3 मीट्रिक टन सॉलिड ऑर्गेनिक फर्टिलाइजर तथा लगभग 1000 लीटर प्रतिदिन लिक्विड ऑर्गेनिक फर्टिलाइजर बनाने की योजना है।

विदेशों में भी करेंगे मार्केटिंग

श्री पटेल ने बताया कि भारत बायोगैस द्वारा इन स्थानों पर बनाए गए बायो सीएनजी तथा सॉलिड एवं लिक्विड फर्टिलाइजर की देश–विदेश में ब्रांडिंग और मार्केटिंग भी की जाएगी। इनका अच्छा मार्केट है। इस क्षेत्र में स्थानीय लोगों को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा।

'अक्षय पात्र' गुजरात की सेवाएं भी ली जाएंगी

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश की कुछ गो–शालाओं के श्रेष्ठ संचालन के लिए अक्षय पात्र संस्था गुजरात की भी सेवाएं ली जाएंगी। अक्षय पात्र द्वारा गुजरात में इस क्षेत्र में सराहनीय कार्य किया जा रहा है। गौशालाओं के संचालन में समुदाय की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

(पृष्ठ 1 का शेष....)

हृदय प्रदेश मध्यप्रदेश को सर्वश्रेष्ठ...

मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटियों को आगे बढ़ने का पूरा अवसर दिया जायेगा। नारी सुरक्षा और सम्मान के लिये पंख अभियान शुरू किया गया है। किसानों को फसल बीमा तथा किसान सम्मान निधि का लाभ दिया जा रहा है। किसानों को एक वर्ष में 83 हजार करोड़ रूपये से अधिक का लाभ दिया जा चुका है। जीरो प्रतिशत ब्याज पर कृषि ऋण की योजना पुनरू शुरू हो गई है। संबल योजना शुरू की जा रही है। इससे गरीबों को शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रसूति सहायता, बीमा सुरक्षा तथा अन्त्येष्टि सहायता का लाभ मिलेगा। आयुष्मान योजना से दो करोड़ से अधिक हितग्राहियों को हर वर्ष पांच लाख रूपये तक की निरूशुल्क उपचार सहायता दी जा रही है। प्रदेश में 2024 तक हर गरीब को पक्का आवास की सुविधा दी जायेगी। प्रदेश में आगामी चार सालों में हर घर को नल से जलापूर्ति की व्यवस्था होगी। इसके लिये 12 हजार से अधिक गांवों में समूह नलजल योजना का कार्य शुरू हो गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन के लिये मोबाइल के माध्यम से आय तथा निवास प्रमाण पत्र की सुविधा दी जायेगी। प्रदेश में महिला स्वसहायता समूह शानदार कार्य कर रहे हैं। उन्हें हाल ही में 900 करोड़ रूपये से अधिक की राशि जारी की गई है। लोकल को वोकल बनाने के हर संभव प्रयास किये जायेंगे। प्रदेश की सिंचाई क्षमता 7.5 लाख हेक्टेयर से बढ़ाकर 41 लाख हेक्टेयर की गई है। इसे 65 लाख हेक्टेयर तक बढ़ाया जायेगा। बिजली में आमजनों को 18 हजार करोड़ रूपये का अनुदान दिया जा रहा है। सौर ऊर्जा में रीवा ने कमाल कर दिखाया है। यहां 750 मेगावाट की सबसे बड़ी सौर परियोजना है। रोजगार का अवसर देने के लिये तीन लाख से अधिक स्ट्रीट वेंडर को दस हजार रूपये का ब्याजमुक्त ऋण दिया गया है। कोरोना संकट काल में भी प्रदेश के खिलाड़ियों ने दो सौ से अधिक पदक जीते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के विकास का कोई अवसर नहीं छोड़ा जायेगा। प्रदेश को विकसित करने के लिये पराक्रम की पराकाष्ठा करनी होगी। हर व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह और समाजसेवा का कोई एक कार्य करे। प्रदेश में नशामुक्ति तथा बेटियों की सुरक्षा और सम्मान के लिये भी अभियान चलाया जायेगा। जब हर प्रदेशवासी विकास में योगदान देगा तो प्रदेश की तस्वीर और तकदीर अवश्य बदलेगी।

समारोह में मुख्यमंत्री ने विभिन्न क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों तथा कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

(पृष्ठ 2 का शेष....)

हर हाथ को मिलेगा हुनर ....

औद्योगिक प्रगति के प्रयास

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आज रोजगार सबसे बड़ी प्राथमिकता है। युवाओं को उनकी योग्यता और क्षमता के मुताबिक कार्य मिले, इसके लिए बहुमुखी प्रयास किए जा रहे हैं। जहाँ नर्मदा जल का पूरा उपयोग सुनिश्चित किया जा रहा है वहीं इंडस्ट्रियल कल्स्टर बनाने, चंबल क्षेत्र में अटल एक्सप्रेस–वे के निर्माण से औद्योगिक प्रगति आसान होगी। एक्सप्रेस–वे के निकट उद्योग विकसित होंगे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने की युवाओं और नियोक्ताओं से बातचीत

मुख्यमंत्री ने वर्चुअल माध्यम से प्रदेश के विभिन्न जिलों के युवाओं एवं शीर्ष नियोक्ताओं से संवाद भी किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने धार, सतना एवं शिवपुरी जिले के एक–एक युवा, जिन्हें रोजगार प्राप्त हुआ है, से संवाद भी किया। इनमें सतना, धार और शिवपुरी के युवा श्री धनराज प्यासी, सुश्री रानी मकवाना और सुश्री हर्षवर्धिनी सिसोदिया शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने आयशर ट्रेक्टर, मेजर डिजायर और वर्धमान समूह सहित विभिन्न नियोक्ताओं से भी चर्चा की। कुछ युवाओं को हैदराबाद, अहमदाबाद और अन्य स्थानों पर नियुक्तियाँ मिली हैं, उन्होंने भी अपने अनुभव बताए। इनमें सुश्री लक्ष्मी बाई, श्री जितेन्द्र धाकड़, श्री योगेश विश्वकर्मा, सुश्री सालिया खान शामिल हैं। वेलस्पन समूह ने 703 और वर्धमान यार्न बुधनी ने 652 युवाओं को रोजगार दिया है। अन्य उद्योगों ने भी युवाओं को अवसर दिये हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने नियुक्ति पाने वाले युवाओं को बधाई दी। नियोक्ताओं को सम्मानित भी किया गया।

(पृष्ठ 1 का शेष....)

सहकारिता मंत्री डॉ. अरविन्द सिंह भदौरिया ...

परेड का नेतृत्व में परेड कमाण्डर रक्षित निरीक्षक श्रीमती रजनी सिंह गुर्जर एवं द्वितीय कमान टूआईसी सूबेदार श्री प्रेमसिंह राठौर ने संभाली। समारोह के मुख्य अतिथि एवं मंत्री डॉ अरविन्द सिंह भदौरिया का कलेक्टर श्री वीरेन्द्र सिंह रावत, पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार सिंह ने परेड की टुकडियों के कमाण्डरों से परिचय कराया। मंत्री डॉ भदौरिया ने मंच से लोकतंत्र सेनानी श्री केशव सिंह भदौरिया का शॉल एवं श्रीफल देकर सम्मानित किया। इसके साथ ही जिले के लोकतंत्र सेनानियों का प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा उनके निवास पहुंचकर सम्मानित किया गया।

सहकारिता मंत्री डॉ अरविन्द सिंह भदौरिया ने मुख्य समारोह में जिला पंचायत, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, कृषि, शिक्षा एवं सर्व शिक्षा अभियान, उद्यानिकी विभाग, मत्स्य विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, उद्योग एवं अन्त्यावसायी विभाग, आदिम जाति कल्याण विभाग, पशु चिकित्सा, महिला एवं बाल विकास विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सडक, लीड बैंक ऑफीसर भिण्ड द्वारा मनोहारी एवं आकर्षक झांकियां निकाली गई।

प्रदेश में चरणबद्ध क्रियान्वित होगा आर्गेनिक मिशन

कृषि में आर्गेनिक प्रक्रियाओं पर राज्यपाल तथा मुख्यमंत्री के सम्मुख हुआ प्रस्तुतीकरण

भोपाल। राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने संपूर्ण प्रदेश में आर्गेनिक मिशन के संचालन की आवश्यकता बताई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के प्राकृतिक स्वरूप को देखते हुए इसका हरसंभव विस्तार किया जाना चाहिए। राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल राजभवन में आर्गेनिक मिशन पर केन्द्रित प्रस्तुतीकरण कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं।

प्रस्तुतीकरण के दौरान मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कृषि में आर्गेनिक उर्वरकों के उपयोग से कृषि लागत कम कर कृषकों की आय में वृद्धि पर केन्द्रित आर्गेनिक मिशन अभिनंदनीय है। मध्यप्रदेश में पशुधन, देश में सर्वाधिक है, दुग्ध उत्पादन में हम तीसरे नंबर पर हैं। अतरू यह मिशन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुरूप राज्य शासन द्वारा विकसित आत्म–निर्भर मध्यप्रदेश के रोडमैप के लक्ष्यों को पूर्ण करने में सहायक सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रारंभिक चरण में आगर–मालवा स्थित सालरिया गौशाला में प्रोजेक्ट क्रियान्वित करने पर सहमति दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश की अन्य गौ–शालाओं में चरणबद्ध रूप से मिशन क्रियान्वित किया जाएगा। प्रदेश के कुछ गाँवों को आदर्श आर्गेनिक ग्राम के रूप में विकसित किया जाएगा। इससे ग्रामीणों को आर्गेनिक प्रक्रियाएँ अपनाने में मदद मिलेगी और वे इसके लाभ से भी परिचित हो सकेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आदिवासी तथा वन क्षेत्रों में रासायनिक खाद तथा कीटनाशक के प्रयोग को हतोत्साहित करने के लिये जन–जागरण अभियान चलाने की आवश्यकता बताई।

प्रारंभ में राजभवन में अहमदाबाद के डॉ. भरत जे. पटेल द्वारा आर्गेनिक उर्वरकों के उपयोग से कृषि की लागत कम करने तथा कृषकों की आय बढ़ाने पर केन्द्रित प्रोजेक्ट संबंधी प्रस्तुतीकरण दिया गया। डॉ. पटेल द्वारा रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों का उपयोग कम कर आर्गेनिक उर्वरक के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए गुजरात और उत्तरप्रदेश में परियोजना संचालित की जा रही है। मृदा तथा वन संरक्षण, हरित एवं नवकरणीय ऊर्जा उत्पादन तथा स्वच्छ दुग्ध कार्यक्रम भी इस परियोजना के अंग हैं। यह परियोजना ग्रामीण अर्थ–व्यवस्था के उन्नयन के साथ जीवन–शैली से संबंधित रोगों जैसे रक्तचाप, मधुमेह आदि के नियंत्रण में भी सहायक है।

इस अवसर पर किसान–कल्याण एवं कृषि मंत्री श्री कमल पटेल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री महेन्द्र सिंह सिसौदिया, पशुपालन मंत्री श्री प्रेम सिंह पटेल और संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

''जो लोक सिर्फ आपको जरूरत के समय याद करते है उनके लिए काम जरूर आना चाहिए.....क्यूकी अँधेरे के समय ही रौशनी खोजी जाती है और वह रौशनी आप हो''–

– दीदी शिवानी

एक उत्पाद एक जिला ''नीमच के किसान धनिया से होगें धनवान''

नीमच। एक जिला एक उत्पाद' के अन्तर्गत नीमच जिले में धनिया फसल के साथ–साथ अश्वगंधा फसल को भी लिया गया हैं। धनियें का लगभग रकबा 15 हजार 150 हेक्टेयर हैं और उत्पादकता एक मेट्रीक.टन प्रति हेक्टेयर प्राप्त होती हैं। धनियां आधारित जिले में प्रोसेसिंग यूनिट भी हैं, जो ग्रेडिंग, पैकिंग के साथ–साथ पिसाई का कार्य भी कर रही हैं। यंहा का धनिया अन्य राज्यों में भी भेजा जाता हैं।

अश्वगंधा औषधी फसल के लिये यह जिला पूर्व से ही विख्यात है, और यंहा उत्पादित अश्वगंधा दूसरे राज्यों एवं विदेशों में भी भेजी जाती हैं। अब नई वैरायटी जो रबी में भी अच्छा उत्पादन देती हैं, आ गई हैं। फिर भी नागोरी अश्वगंधा के रूप में यह प्रचलित हैं। पोषिता, जवाहर पुष्टि आदि वैरायटी प्रचलन में आ रही हैं। अश्वगंधा का रकबा 1500 हेक्टेयर के लगभग हैं पहले यह खरीफ में ही होती थी, अब रबी में भी आसानी से हो रही हैं। अश्वगंधा की सूखी जड़ें 8–10 क्विंटल प्रति हेक्टयेर उत्पादित होती हैं।

मध्यप्रदेश 3224 सोलर पम्प स्थापना के साथ देश में सर्वोपरि

भोपाल। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री हरदीप सिंह डंग ने बताया कि कोविड के दौरान अपने प्रदेशों को लौटे प्रवासी मजदूरों के लिये आरंभ किये गये प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अभियान में मध्यप्रदेश सर्वाधिक सोलर पम्प स्थापित कर देश में सर्वप्रथम है। जितने सोलर पम्प पूरे देश में लगे हैं, उससे कहीं अधिक अकेले मध्यप्रदेश में प्रवासी मजदूरों द्वारा स्थापित किये गये हैं। श्री डंग ने बताया कि प्रवासी श्रमिकों की सहायता के लिये 24 जिलों में 3490 सोलर पम्पों की स्थापना की जानी थी। इसके विरुद्ध 3224 पम्प की स्थापना कर 92.4 प्रतिशत लक्ष्य की पूर्ति कर ली गई है। सोलर पम्प स्थापना में श्रमिकों को 15 हजार श्रमिक दिवस रोजगार मिला।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अभियान में देश के 6 राज्यों मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, बिहार, ओडिसा, राजस्थान और झारखण्ड के 116 जिलों का चयन प्रदेश लौटे मजदूरों को रोजगार देने के लिये किया गया था। इसमें मध्यप्रदेश के 24 जिले बालाघाट, झाबुआ, टीकमगढ़, छतरपुर, रीवा, सतना, सागर, पन्ना, भिण्ड, अलीराजपुर, बैतूल, खण्डवा, शहडोल, धार, डिण्डोरी, कटनी, छिन्दवाड़ा, सिवनी, मण्डला, खरगोन, शिवपुरी, बड़वानी, सीधी और सिंगरौली शामिल हैं। अभियान में ग्रामीणों के जीवन की बेहतरी के लिये सोलर पम्प की स्थापना, सामुदायिक शौचालय, आँगनवाड़ी, कुआँ निर्माण, ग्रामीण मण्डी, पशु–शेड, पंचायत भवन, वृक्षारोपण आदि 25 कार्यों का चयन किया गया।

श्री डंग ने बताया कि मुख्यमंत्री प्रवासी मजदूर सहायता योजना में लॉकडाउन में अन्य राज्यों में फँसे मध्यप्रदेश के लाखों श्रमिकों को शासकीय व्यय पर स्पेशल बसों और ट्रेनों से प्रदेश लाया गया। यहाँ तक कि दूसरे राज्यों के श्रमिक, जो पैदल अथवा किसी अन्य साधन से मध्यप्रदेश की सीमा तक पहुँचे थे, उन्हें भी राज्य शासन ने सीमावर्ती राज्यों की सीमा तक पहुँचाया। प्रवासी मजदूरों को निःशुल्क खाद्यान्न वितरण, भोजन के पैकेट वितरित कराने के साथ ही रोजगार उपलब्ध कराया गया।

राष्ट्रीय जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन में प्रदेश अग्रणी तीन राज्यों में

भोपाल। राष्ट्रीय जल जीवन मिशन में 25 लाख से अधिक एफएचटीसी (क्रियाशील घरेलू नल कनेक्शन) के लक्ष्यों वाले 7 बड़े राज्यों की प्रगति की समीक्षा (31 दिसम्बर 2020 की स्थिति) में मध्यप्रदेश अग्रणी तीन राज्यों में है। मध्यप्रदेश की ग्रामीण आबादी के अनुसार जल जीवन मिशन में वर्ष 2020–21 से वर्ष 2023–24 तक के 4 वर्षों में एक करोड़ से अधिक एफएचटीसी दिये जाने का लक्ष्य निर्धारित है।

अपर मुख्य सचिव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग श्री मलय श्रीवास्तव ने बताया कि मध्यप्रदेश के लिये चालू वित्तीय वर्ष में 26.26 लाख एफएचटीसी का लक्ष्य रखा गया था। प्रदेश में जल जीवन मिशन में परिणाममूलक क्रियान्वयन करते हुए प्रारंभिक तीन त्रेमासों में शत–प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया है। उन्होंने कहा कि कोविड–19 के कारण कार्य की प्रगति में आये व्यवधान अब काफी हद तक दूर हो चुके हैं। पीएचई विभाग अपने इस वर्ष के लक्ष्य को समय–सीमा में पूरा कर अगले वर्ष की ओर सुनियोजित प्रयासों के साथ अग्रसर होगा।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय जल जीवन मिशन के अन्तर्गत देश की सम्पूर्ण ग्रामीण आबादी को वर्ष 2024 तक घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से जल प्रदाय किये जाने का लक्ष्य रखा गया है। जल जीवन मिशन का जून 20 में वास्तविक रूप से क्रियान्वयन प्रारंभ करते हुए मध्यप्रदेश वर्ष 2023 तक कार्य पूर्ण किये जाने का लक्ष्य बनाकर कार्यवाही कर रहा है।

निर्माण श्रमिकों के पंजीयन का अभियान 31 मार्च तक

भोपाल। मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण के अन्तर्गत भवन एवं अन्य संनिर्माण कार्यों में सलंग्न असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के पंजीयन का कार्य 31 मार्च 2021 तक जारी रहेगा। श्रम विभाग द्वारा इस आश्य के निर्देश सभी संभागायुक्त एवं जिला कलेक्टर्स को जारी किये है। निर्माण श्रमिकों के पंजीयन के लिये 2 अक्टूबर 2020 से तीन माह का विशेष पंजीयन अभियान चलाया गया था। अभियान की अवधि 31 मार्च 2021 तक बढ़ाई गई है।

विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर श्री रामेश्वर शर्मा ने भोपाल में फहराया राष्ट्रीय ध्वज

लाल परेड मैदान में 72वाँ गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के माहौल में मनाया गया

भोपाल। मध्यप्रदेश विधान सभा के प्रोटेम स्पीकर श्री रामेश्वर शर्मा ने 72वें गणतंत्र दिवस के मौके पर भोपाल के लाल परेड मैदान में राज्य– स्तरीय कार्यक्रम में नागरिकों की उपस्थिति में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इसके बाद उन्होंने आकर्षक परेड की सलामी ली। पुलिस परेड में 11 टुकड़ियाँ शामिल हुईं। गणतंत्र दिवस समारोह नागरिकों की उपस्थिति में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

समारोह की शुरूआत राष्ट्रीय गान जन–गण–मन की धुन से हुई। समारोह के मुख्य अतिथि श्री रामेश्वर शर्मा ने परेड का निरीक्षण किया। इसके बाद परेड कमाण्डर श्री श्रुतकीर्ति सोमवंशी के नेतृत्व में मार्च–पास्ट किया गया। परेड के टू.आई.सी. श्री यश बिजौरिया थे। परेड में हॉक फोर्स, एसटीएफ, मध्यप्रदेश विशेष सशस्त्र बल, मध्यप्रदेश पुलिस बल, जिला पुलिस बल, होमगार्ड, जेल विभाग, पुलिस बैण्ड, स्वान दल और अश्वरोही दल शामिल थे।

मार्च–पास्ट के बाद मुख्य अतिथि श्री रामेश्वर शर्मा ने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया। समारोह में मुख्य अतिथि द्वारा रंगीन गुब्बारे छोड़े गये। सशस्त्र सेवा की विभिन्न टुकड़ियों में रेल पुलिस का बल भी शामिल था।

जनजातीय नृत्य की प्रस्तुति

राज्य–स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में प्रदेश की जनजातीय संस्कृति पर केन्द्रित ठाट्या जनजातीय नृत्य की प्रस्तुति दी गई। जनजातीय नृत्यों की विलुप्त होती परम्पराओं के बीच जो जनजाति अपनी नई पीढ़ी में भी इन बिरवों को सतत रूप से रोप रही है, वह ठाट्या है। ठाट अर्थात वैभव। चरवाही संस्कृति का आह्लाद, ठाट्या यूँ तो विभिन्न पर्वों, मंगल अनुष्ठानों, तीज–त्यौहारों पर नृत्य करते ही हैं, किन्तु दीपावली के बाद एक माह तक जनजातीय क्षेत्रों में ठाट्या समुदाय को जो गरिमा व गौरव दिया जाता है, वह किसी भी पूज्य व्यक्ति को ही मिल सकता है। जनजातीय कलाकारों ने ठाट्या नृत्य के माध्यम से परेड ग्राउण्ड में उपस्थित नागरिकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। ढोल की थाप पर बाँसुरी की मधुर धुन पर जनजातीय कलाकारों ने आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किया।

प्रदेश की तरक्की को झाँकियों के माध्यम से किया प्रस्तुत

राज्य–स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में प्रदेश की प्रगति और भावी योजनाओं के विविध आयामों को समाहित करते हुए आत्म–निर्भर भारत और आत्म–निर्भर मध्यप्रदेश मुख्य विषय पर केन्द्रित विभिन्न विभागों की झाँकियाँ प्रस्तुत की गयीं। उद्यानिकी विभाग की झाँकी में एक जिला–एक उत्पाद को प्रदर्शित किया गया। आगर–मालवा में चयनित फसल संतरा की चेनलिंक फैंसिंग का प्रदर्शन और उत्पादन का सुरक्षित भण्डारण के प्रदर्शन के साथ फसल के प्र–संस्करण को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया। अनुसूचित–जाति कल्याण विभाग की झाँकी में महिला स्व–सहायता समूह, ज्ञानोदय विद्यालय और इन वर्गों के प्रतिभावान छात्र–छात्राओं के लिये संभागीय मुख्यालय में संचालित ज्ञानोदय विद्यालय के संचालन को प्रदर्शित किया गया। जनजातीय कार्य विभाग की झाँकी में स्व–रोजगार की योजनाओं, जनजातीय संस्कृति और भाषाओं का संरक्षण और एकलव्य स्कूल के संचालन को प्रदर्शित किया गया।

समारोह में इसी तरह किसान कल्याण विभाग की झाँकी में मध्यप्रदेश के गेहूँ के रिकॉर्ड उत्पादन, कृषि उपकरण की अनूठी योजना कस्टम हायरिंग को प्रदर्शित किया गया। गृह विभाग की झाँकी में कोविड कोरोना काल में पुलिस बल द्वारा जरूरतमंदों की सेवा के कामों को प्रदर्शित किया गया। इस झाँकी में प्रदेश में ड्रग्स व भू–माफिया के खिलाफ की जा रही सख्त कार्यवाही को प्रदर्शित किया गया। तकनीकी शिक्षा विभाग की झाँकी में आत्म–निर्भर मध्यप्रदेश के लिये कौशल विकास की योजना, भोपाल के ग्लोबल स्किल पार्क को प्रदर्शित किया गया। नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग की झाँकी में भोपाल एवं इंदौर मेट्रो कॉरीडोर के मॉडल को प्रदर्शित किया गया। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की झाँकी में मनरेगा के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराने, ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत 3 लाख 15 हजार से अधिक समूहों के कार्यों को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया। पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय विभाग की झाँकी में नर्मदा नदी के तट पर खण्डवा जिले में दसवीं–ग्यारहवीं शताब्दी परमार काल के मंदिरों एवं मठों के जीर्णोद्धार कार्य को प्रदर्शित किया गया।

राज्य–स्तरीय समारोह में पशुपालन विभाग की झाँकी में डेयरी व्यवसाय, पशु रोग नियंत्रण, दुग्ध सहकारी समितियों के गठन को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की झाँकी में कोविड–19 के स्वदेशी वैक्सीन के प्रारूप को प्रदर्शित किया गया। झाँकी में कोविड–19 की टीकाकरण प्रक्रिया को भी प्रदर्शित किया गया।

सरकारी खजाने पर पहला हक गरीबों का : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सरकार के खजाने में गरीबों के कल्याण के लिये धन की कोई कमी नहीं होगी। सरकारी खजाने पर सबसे पहला हक गरीबों का है। गरीबों के कल्याण की महत्वाकांक्षी संबल योजना पुनरू प्रारंभ की गई है। नगरीय क्षेत्रों की तरह ग्राम पंचायतों का मास्टर प्लान तैयार कर हर गाँव का सुनियोजित विकास किया जायेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान सतना में हितग्राही लाभ वितरण कार्यक्रम में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जनता का प्यार और आशीर्वाद ही मेरी ताकत है। विन्ध्य की धरती ने सरकार को असीम आशीर्वाद दिया है। इस प्यार और विश्वास को कभी टूटने नहीं दिया जायेगा। उन्होंने सभा में उपस्थितजनों का नमन कर कहा कि गणतंत्र का मतलब है, तंत्र आम जनता की सेवाओं और सुविधाओं का ख्याल रखे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में 37 लाख गरीबों के नाम राशन की पात्रता सूची में जोड़े गये हैं। बीमारी में निःशुल्क इलाज के लिये 2 करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत योजना से जोड़ा गया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आगामी 4 साल में मध्यप्रदेश में सभी गरीबों को पक्के मकान मुहैया करा दिये जायेंगे। इसी प्रकार जल–जीवन मिशन के तहत वर्ष 2024 तक शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के हर घर में नल कनेक्शन देकर पेयजल उपलब्ध करवाया जायेगा।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री श्री रामखेलावन पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री चौहान के नेतृत्व में राज्य सरकार ने सभी के सहयोग से मध्यप्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लिया है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सुशासन, रोजगार, कृषि, उद्योग सहित सभी क्षेत्रों में विकास का रोडमैप बनाकर क्रियान्वयन प्रारंभ किया गया है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि प्रदेशवासियों के सहयोग से मध्यप्रदेश देश में सबसे पहले आत्मनिर्भर बनेगा। सांसद गणेश सिंह ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सतना जिले को स्मार्ट सिटी, मेडिकल कॉलेज और बाणसागर का पानी जैसी अमूल्य सौगातें दी हैं। उन्होंने बताया कि सतना को विन्ध्य क्षेत्र का सबसे सुन्दर शहर बनाने के लिये 2 हजार 38 करोड़ की पंचवर्षीय योजना पर मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आज गंभीरता से समीक्षा की है।

अपेक्स बैंक में आयुक्त सहकारिता द्वारा ध्वजारोहण

भोपाल। 72वें "गणतंत्र दिवस" के अवसर पर भोपाल में अपेक्स बैंक के टी.टी. नगर स्थित मुख्यालय के प्रांगण में एवं टेरेस (छत) पर श्री नरेश पाल कुमार जी, आयुक्त–सह–पंजीयक, सहकारी संस्थायें, मध्यप्रदेश ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर बैंक के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी श्रीमती अरुणा दुबे, श्री यतीश त्रिपाठी, श्री अरविंद बौद्ध, सहायक महाप्रबंधक श्री आर.एस. चंदेल, श्री एच.एस. तोमर के साथ बैंक के समस्त अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

म.प्र. राज्य सहकारी संघ मर्यादित भोपाल की ओर से प्रकाशक, मुद्रक दिनेशचंद्र शर्मा द्वारा मध्यप्रदेश राज्य सहकारी मुद्रणालय परिमित, भोपाल से मुद्रित एवं ई–8/77, शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। प्रबंध सम्पादक : ऋतुराज रंजन, संपादक : दिनेशचंद्र शर्मा
डाक पंजीयन क्रमांक – म.प्र./भोपाल/357/2018-20 मुद्रित पत्र रजि. नं./आर.एन./13063/1967, फोन : 2926159, 2926160, इस अंक में प्रकाशित रचनाओं में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं जिनमें संपादकीय सहमति आवश्यक नहीं है।